Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

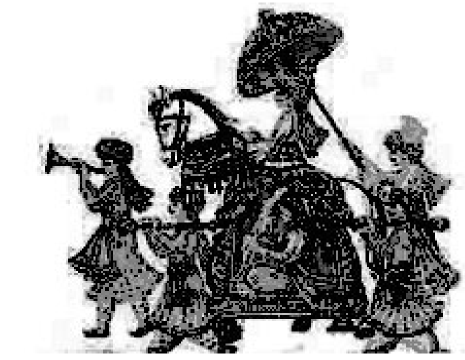

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

आपदा राहत कार्य में लगे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

हादसा

पायलट को हल्की चोटें आने के साथ ही हेलीकॉप्टर क्षतिग्रस्त

दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर।

संवाददाता

देहरादून/उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले में आपदा राहत कार्य में लगे एक हेलीकॉप्टर को अचानक इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। पायलट को हल्की चोटें आने के साथ ही हेलीकॉप्टर क्षतिग्रस्त हुआ है। यह हेलीकॉप्टर आपदा प्रभावित क्षेत्र में राहत सामग्री पहुंचा रहा था। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

उत्तरकाशी जिले के चिंवा गांव में आपदा ने भीषण तबाही मचाई थी, जिसके बाद से ही यहां रास्ते बंद है और रोजमर्रा की चीजों की किल्लत बनी हुई है। हेलीकॉप्टर से क्षेत्र में राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। शुक्रवार को भी एक हेलीकॉप्टर इस कार्य में लगा हुआ था, लेकिन टिकोची के पास बागीचों से सड़क तक सेब पहुंचाने वाली तारों को देखकर उन्होंने एमरजेंसी लैंडिंग की। समतल मैदान नहीं होने के कारण उन्हें नदी के किनारे पत्थरों पर ही लैंडिंग करनी पड़ी। गनीमत रही कि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ।

पायलट सुशांत जीना निवासी जबलपुर और को पायलट अजित सिंह, निवासी हरियाणा को आराकोट पहुंचाया गया, जहां से हेलीकॉप्टर के जरिए इन्हें देहरादून ले जाया गया। जिलाधिकारी डॉ आशीष चौहान ने बताया कि हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग क्यों कराई गई इसकी उनके पास सही रिपोर्ट नहीं आई है।

गौरतलब है कि इन तारों की वजह से 21 अगस्ध्त को क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है। ये हेलीकॉप्टर आपदा प्रभावित आराकोट न्याय पंचायत क्षेत्र के मोल्डी गांव में राहत सामग्री ड्रॉप कर वापस लौट रहा था और अचानक क्रैश हो गया। बागीचों से सेब की पेटियां मुख्य मार्ग तक सामान पहुंचाने के लिए लगाई गई ट्रॉली की तारों में हेलीकॉप्टर के उलझने से यह हादसा हुआ। इसमें सवार पायलट, को–पायलट और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गई थी।

न्यूज डायरी

कूड़ा उठ नहीं रहा और बिल भेजा 92 लाख का

संवाददाता देहरादून। डोर–टू–डोर कूड़ा उठान कर रही कंपनी चेन्नई एमएसडब्लू की गाड़ी आपके घर से एक माह में कितने दिन कूड़ा उठा रही, तो सभी का जवाब यही होगा कि मुश्किल से दस–बारह दिन। नगर निगम में शिकायत के आंकड़े भी इसकी तस्दीक कर रहे हैं। शहर में कूड़ा उठान पर बात केवल जुलाई माह की करें तो कंपनी दावा कर रही कि उसने सभी दिन कूड़ा उठान किया। इस काम की एवज में कंपनी ने नगर निगम को 92 लाख रुपये का बिल भेजा है। बिल देखकर नगर निगम के अधिकारी सिर पकड़े हुए हैं और कंपनी का रिकॉर्ड खंगाल रहे। यही नहीं, निगम ने भी अब कंपनी के दबाव में आने से इनकार कर दिया है और कंपनी को बाहर करने की तैयारी चल रही।

क्रिकेट ट्रायल गौचर क्रिकेट मैदान मे 28 ओर 29 अगस्त को

संवाददाता देहरादून। चमोली जिले का क्रिकेट ट्रायल गौचर क्रिकेट मैदान मे 28 ओर 29 अगस्त को किया जायेंगे। इसके लिए पंजीकरण 25 से 27 तक गौचर ओर गैरसैंण में होंगे। जारी एक बयान में पर्वतीय क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव व कोच नरेन्द्र शाह ने बताया कि ट्रायल के लिए खिलाड़ियों को पंजीकरण के लिए दो फोटों जन्मतिथि व स्थाई निवास प्रमाण पत्र ओर स्कूल प्रमाण पत्र की दो दो फोटो कापी लाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा तीन सौ रुपये रजिस्ट्रेशन फीस लानी होंगी। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए पर्वतीय क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यालय गैरसैंण से और गौचर में क्रिकेट मैदान मे जाकर पवन भंडारी से संपर्क कर सकतें है।

रेड एफएम एक बार फिर से देहरादून में वापिस लाया 'कॉलेज के टशनबाज

संवाददाता देहरादून। 93.5 रेड एफएम, सबसे बड़े और सबसे अधिक सम्मानित निजी रेडियो नेटवर्क में से एक, ने 'कॉलेज के टशनबाज' की शुरुआत की घोषणा की है, जो कॉलेजों कॉलेजों से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आगे प्रोत्साहित करने का प्रयास है। यह गतिविधि 27 शहरों में विभिन्न कॉलेजों में होगी। रेड एफएम, टियर 2 शहरों में उत्साही युवाओं को एक मंच प्रदान करेगा, जो पूरे कॉलेज के सामने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के इच्छुक हैं और डांस, सिंगिंग और ड्रॉमेटिक्स आदि के क्षेत्रों में पहचाने जाते हैं। रेड एफएम मोबाइल कैंटर प्रत्येक शहर के शीर्ष 10–15 कॉलेजों तक पहुंच रहा है, जहां सैकड़ों छात्र ज्यूरी के सामने ऑडिशन देंगे।

ट्रॉफी के साथ विजेता टीम।

गीता पाठ की ट्रॉफी मानवभारती स्कूल के नाम, 16 स्कूल शामिल हुए प्रतियोगिता में

संवाददाता देहरादून। अंतरविद्यालयी गीता पाठ प्रतियोगिता की ट्रॉफी मानवभारती स्कूल के नाम हो गई। मानवभारती स्कूल लगातार चार वर्ष से गीता पाठ प्रतियोगिता की ट्रॉफी जीत रहा है। विजयी टीम को स्कूल में पुरस्कार प्रदान करके सम्मानित किया गया। कासीगा स्कूल में गुरुवार को आयोजित गीता पाठ प्रतियोगिता में 16 विद्यालय शामिल हुए।

मानवभारती स्कूल की टीम में एकादश अध्याय के नौ श्लोकों का गायन करना था। साथ ही, सभी श्लोकों के अर्थ भी बताने थे। छात्र–छात्राओं ने प्रशिक्षक डॉ. अनंतमणि त्रिवेदी के निर्देशन में श्लोकों का शुद्ध उच्चारण में सस्वर पाठ किया। मुख्य अतिथि उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के अध्यक्ष प्रो. प्रेमचंद शास्त्री और कासीगा स्कूल की संस्कृ त विभागाध्यक्ष डॉ. नूतन स्मृति ने मानवभारती स्कूल के समूह की प्रशंसा की। मानवभारती स्कूल के प्रधानाचार्य राजीव सिंघल ने प्रतियोगिता में शामिल छात्र–छात्राओं और प्रशिक्षक डॉ. त्रिवेदी की सराहना की। उन्होंने प्रार्थना सभा में प्रतियोगी छात्र–छात्राओं श्रेया मधवाल, वैष्णवी चौहान, रिया मल्होत्रा, कुशाग्र कुकरेती, ऋषभ गुसाईं, अंशिका मिश्रा, श्रेया थपलियाल, आनंद सिंह रावत, अंजलि रावत, स्नेहा यादव, स्तुति कंटूर को सम्मानित किया।

धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्म पर झूम उठे श्रद्धालु

संवाददाता

देहरादून। मानस मन्दिर बकरालवाला मन्दिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन व्यास आचार्य सतीश जगूड़ी ने कहा कि त्याग के बिना भगवान की प्राप्ति नहीं हो सकती।

जीवन में वही व्यक्ति सुखी रह सकता जो संतुष्ट हो, अन्यथा जीव की इच्छाएं कभी पूरी नहीं होती और तृष्णा कभी शांत नहीं होती, आज पढ़ लिखकर सभी बड़ा नौकारी चाहते है लेकिन यह कोई नहीं चाहता कि हम में से कोई राम, लक्ष्मण, सीता, कौशिल्या जैसे बने, चौथे दिन की भागवत कथा में विशाल भीड़ उमड़ी, पूज्य आचार्य सतीश जगूडी द्वारा गाये गये, भजन हाथी घोडा पालकी जय कन्हैया लाल की भजन पर भक्त नाचें, श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को बड़ी ध ूमधाम के साथ मनाया गया। श्रीमद् भागवत रसवर्षा जिसमे प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता आचार्य सतीश जगूडी द्वारा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव के बारे में सुन्दर वर्णन किया। कथा के दौरान जैसे भगवान श्री कृष्ण के जन्म के बारे विस्तार पूर्वक वर्णन हुआ तो पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान लोग झूमने–नाचने लगे।

भगवान श्रीकृष्ण की वेश में आये नन्हें बालक के दर्शन करने के लिए लोग लालायित नजर आ रहे थे। इस पहले मन्दिर परिसर में को सुव्यवस्था तरीके से सजाया गया जिसमें भगवान कृष्ण से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की झाकियां लगायी गयी थी इस अवसर भगवान के जन्म की खुशी पर आयी महिलाओं द्वारा अपने घरों से लगाए गए फल व गुड़ के लड्डूओं से भगवान को भोग लगाया गया।

वही कथा प्रवक्ता आचार्य सतीश जगूडी ने कहा त्याग के बिना भगवान की प्राप्ति नहीं हो सकती। और जब धरती पर चारों ओर त्राहि–त्राहि मच गई, चारों ओर अत्याचार, अनाचार का साम्राज्य फैल गया तब भगवान श्रीकृष्ण ने देवकी के आठवें गर्भ के रूप में जन्म लेते हैं और पापों से पृथ्वी को मुक्त करवाते हैं. द्वापर युग में भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लेकर धरती को कंस से मुक्ति दिलाई थी. भगवान कृष्ण के जन्म दिवस को ही हिंदू धर्म में जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है. श्री कृ ष्ण जन्म प्रसंग पर गाजे–बाजे के साथ बालकृष्ण जन्मोत्सव का मंचन हुआ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर प्रदेशवासियों को बधाई दी

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने 'श्रीकृष्ण जन्माष्टमी' के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने मनुष्य को निष्काम कर्म के लिए सदैव समर्पित रहने, दीन–दुखियों एवं समाज के उपेक्षित वर्ग के कल्याण तथा अन्याय के विरूद्ध प्रतिकार करने का संदेश दिया है। उनका जीवन सम्पूर्ण मानव जाति के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से हमें ज्ञान, कर्म, प्रेम, भक्ति और सद्भावना की भी प्रेरणा मिलती है।

श्रीमदभगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिये गये दिव्य संदेश में मानव जाति का कल्याण निहित है। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा और दर्शन आज भी प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि यह पावन पर्व हमें भगवान श्री कृष्ण की शिक्षाओं का स्मरण करने और सार्वभौमिक भाईचारे और शांति की भावना को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करता है।